अध्याय - 5 | (प्रेमचंद के फटे जूते)

QUIZ-01

1. **'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ को इंगित करने के लिए किया गया होगा?**
   A. नदी के बहाव को रोकने के लिए
   B. शोषण, अन्याय, छुआछूत, जाति-पाँति आदि बुराइयों के लिए
   C. ऐसा पत्थर जो कभी न टूटे
   D. समाज में फैले शान-शौकत के लिए (B)

व्याख्या : 'टीले' शब्द का प्रयोग उन सामाजिक बुराइयों के प्रतीक रूप में किया गया है जो समाज में लंबे समय से जमा हैं – जैसे शोषण, अन्याय, छुआछूत, जातिवाद।

2. **इनमें से हास्य-व्यंग्य (प्रेमचंद के फटे जूते) के रचनाकार कौन हैं?**
   A. प्रेमचंद B. हरिशंकर परसाई
   C. चपला देवी D. महादेवी वर्मा (B)

व्याख्या : "प्रेमचंद के फटे जूते" एक व्यंग्यात्मक निबंध है जिसे हरिशंकर परसाई ने लिखा है। वे व्यंग्य लेखन के प्रसिद्ध लेखक माने जाते हैं।

3. **"तुम पर्दे का महत्व ही नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं।" यह पंक्ति किस पाठ की है?**
   A. मेरे बचपन के दिन B. प्रेमचंद के फटे जूते
   C. साँवले सपनों की याद D. ल्हासा की ओर (B)

व्याख्या : यह व्यंग्यात्मक पंक्ति "प्रेमचंद के फटे जूते" पाठ से ली गई है, जो समाज की बनावटी दिखावे की प्रवृत्ति पर कटाक्ष करती है।

4. **प्रेमचंद का एक क्या लेखक को मिला है?**
   A. डायरी B. फोटो
   C. खत D. किताब (B)

व्याख्या : लेखक को प्रेमचंद का एक फोटो मिला था जिसे देखकर वे उनके जीवन की सादगी और संघर्षों पर व्यंग्य के माध्यम से चिंतन करते हैं।

5. **इनमें से कौन-सी रचना प्रेमचंद की है?**
   A. चिड़िया की बच्ची B. आकाशदीप
   C. पूस की रात D. वापसी (C)

व्याख्या : "पूस की रात" प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी है जो किसान जीवन की कठिनाइयों को दर्शाती है।

6. **कौन फोटो के महत्व को नहीं समझते थे?**
   A. हरिशंकर परसाई B. हजारी प्रसाद द्विवेदी
   C. प्रेमचंद D. महादेवी वर्मा (C)

व्याख्या : प्रेमचंद फोटो के महत्व को नहीं समझते थे; वे दिखावे और बाहरी चमक-दमक से दूर रहते थे, यही पाठ में बताया गया है।

7. **'हरिशंकर परसाई' लिखित पाठ का नाम है –**
   A. प्रेमचंद के फटे जूते B. साँवले सपनों की याद
   C. मेरे बचपन के दिन D. दो बैलों की कथा (A)

व्याख्या : "प्रेमचंद के फटे जूते" नामक व्यंग्यात्मक निबंध हरिशंकर परसाई द्वारा लिखा गया है।

8. **"प्रेमचंद के फटे जूते" किस प्रकार का पाठ है?**
   A. कहानी B. व्यंग्यात्मक निबंध
   C. यात्रा–वृत्तांत D. एकांकी (B)

व्याख्या : यह एक व्यंग्यात्मक निबंध है जिसमें प्रेमचंद की सादगी को दिखावेभरे समाज के विरोध में प्रस्तुत किया गया है।

9. **इनमें से कौन-सी रचना प्रेमचंद की नहीं है?**
   A. गोदान B. चिड़िया की बच्ची
   C. पूस की रात D. ईदगाह (B)

व्याख्या : "चिड़िया की बच्ची" प्रेमचंद की रचना नहीं है, जबकि "गोदान", "पूस की रात" और "ईदगाह" उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

10. **"यह मुसकान नहीं, इसमें उपहास है, व्यंग्य है।" यह पंक्ति किस पाठ की है?**
    A. प्रेमचंद के फटे जूते B. मेरे बचपन के दिन
    C. दो बैलों की कथा D. ल्हासा की ओर (A)

व्याख्या : यह पंक्ति "प्रेमचंद के फटे जूते" पाठ से ली गई है, जहाँ लेखक ने प्रेमचंद की तस्वीर की मुस्कान को सामाजिक विडंबना से जोड़ा है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App